Enlightenment (प्रबोधन)

The enlightenment was the result of Renaissance because renaissance made the some people enlightened. These enlightened scholars tried to apply the method and principles of science to solve the political, economic and religious problems.

प्रबोधन पुनर्जागरण का परिणाम था क्योंकि पुनर्जागरण ने कुछ लोगों को प्रबुद्ध बनाया। इन प्रबुद्ध विद्वानों ने राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक समस्याओं के समाधान के लिए विज्ञान की पद्धति और सिद्धांतों को लागू करने का प्रयास किया।

They started the method of Natural Science to study about the world, God and society. Thus, the scientific revolution was started in 17th century due to the enlightenment. As the result, various scientific perspectives, principles etc were invented.

उन्होंने संसार, ईश्वर और समाज के अध्ययन के लिए प्राकृतिक विज्ञान की पद्धति का उपयोग किया। इस प्रकार, 17वीं शताब्दी में प्रबोधन के फलस्वरूप वैज्ञानिक क्रांति का सूत्रपात हुआ।परिणामस्वरूप, विभिन्न वैज्ञानिक दृष्टिकोणों, सिद्धांतों आदि का आविष्कार हुआ।

The enlightenment is supposed to have started from the time of a French scholar Voltaire, when he made a visit to England. Thereupon he compared the openness and reasonableness of the England and unreasonableness and the closed society of France.

माना जाता है कि प्रबोधन की शुरुआत फ्रांसीसी विद्वान वोल्टेयर के समय से हुई, जब उन्होंने इंग्लैंड की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खुलेपन और तार्किकता की तुलना फ्रांस के अतार्किकता और बंद समाज से की थी।

Hence, he made an attack over the autocratic nature of the Monarchy, the superstitions of the church and stupidity of the aristocratic class. He pleaded for individual freedom. Thus, Voltaire became a personifaction of the enlightenment.

उसने राजतंत्र की निरंकुश प्रकृति, चर्च के अंधविश्वासों और कुलीन वर्ग की मूर्खता पर प्रहार किया। उन्होंने व्यक्तिगत स्वतंत्रता की वकालत की। इस प्रकार, वोल्टेयर प्रबोधन के साक्षात् अवतार बन गए।

The enlightened scholars were guided by the middle class interests hence they favoured limited monarchy but not democracy. They advocated that Government should be for the people but not by the people.

प्रबुद्ध विद्वान मध्यम वर्ग के हितों से प्रेरित थे, इसलिए वे सीमित राजतंत्र के पक्षधर थे, लोकतंत्र के नहीं। वे इस बात की वकालत करते थे कि सरकार जनता के लिए होनी चाहिए, जनता द्वारा नहीं।

Important Enlightened Scholars (महत्वपूर्ण प्रबुद्ध विद्वान)

John Locke (1632-1704) :

John Locke was an english philosopher. His first philosophical work was **'Essay Concerning Human Understanding'.** He first broached the notion that reason and knowledge are derived from experience.

जॉन लॉक (1632-1704):

जॉन लॉक एक अंग्रेज़ दार्शनिक थे। उनकी पहली दार्शनिक रचना **'Essay Concerning Human Understanding'**थी। उन्होंने पहली बार इस धारणा को प्रतिपादित किया कि तर्क और ज्ञान अनुभव से उत्पन्न होते हैं।

- Locke contended human nature is essentially good and human character is a function of one's environment, upbringing and education.
- By shaping society and the environment through good education, it is possible to produce a better society.

- लॉक का मानना था कि मानव स्वभाव मूलतः अच्छा होता है और मानव चरित्र उसके परिवेश, पालन-पोषण और शिक्षा का परिणाम होता है।
- अच्छी शिक्षा के माध्यम से समाज और परिवेश को आकार देकर, एक बेहतर समाज का निर्माण संभव है।

- Locke argued in his Second Treatise **'Civil Government'** (1690) that man possesses natural and inalienable rights to life, liberty and property.
- He wrote that Government is formed by popular consent implying a kind of contractual relationship between people and Government.

- लॉक ने अपने दूसरे ग्रंथ 'सिविल गवर्नमेंट' (1690) में तर्क दिया कि मनुष्य के पास जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के प्राकृतिक और अविभाज्य अधिकार हैं।
- उन्होंने लिखा कि सरकार लोकप्रिय सहमति से बनती है, जिसका अर्थ है जनता और सरकार के बीच एक प्रकार का संविदात्मक संबंध।

- Locke's Ideas influenced Thomas Jefferson like scholars. These ideas are found in both the **U.S. Declaration of Independence** and the **French Declaration of the Rights of Man**.

- लॉक के विचारों ने थॉमस जेफरसन जैसे विद्वानों को भी प्रभावित किया। ये विचार अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणापत्र और फ्रांसीसी मानव अधिकार घोषणापत्र, दोनों में पाए जाते हैं।

Montesquieu (1689-1755) :
मोंटेस्क्यू (1689-1755) :

He belonged to a French noble family. He was a critic of absolutist Government.

वह एक फ्रांसीसी कुलीन परिवार से थे। वह निरंकुश सरकार के आलोचक थे।

He argued that **laws** are derived from nature in his **'Spirit of Laws'** (1748). He proposed the concept of separation of Power of Government among the executive, legislative and judicial functions. It was picked up by the Americans and incorporated by James Madison in his design of the U.S. Constitution.

उसने अपनी रचना 'स्पिरिट ऑफ़ लॉज़' (1748) में तर्क दिया कि कानून प्रकृति से उत्पन्न होते हैं। उसने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायिक कार्यों के बीच सरकार की शक्तियों के पृथक्करण की अवधारणा प्रस्तुत की। इसे अमेरिकियों ने अपनाया और जेम्स मैडिसन ने अपने अमेरिकी संविधान के निर्माण में इसे शामिल किया।

Rousseau (1712-1778) :

Rousseau was a French philosopher. He elaborated some of Locke's ideas about **Natural Rights and Popular Sovereignty**. He laid emphasis on sovereignty of the people.

Rousseau wrote, "Man is born free, but everywhere he is in chain".

रूसो (1712-1778) :

रूसो एक फ्रांसीसी दार्शनिक थे। उसने प्राकृतिक अधिकारों और लोकप्रिय संप्रभुता पर लॉक के कुछ विचारों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उसने जनता की संप्रभुता पर ज़ोर दिया।

रूसो ने लिखा, "मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है, लेकिन हर जगह वह ज़ंजीरों में जकड़ा हुआ है।"

Society corrupts and distorts man's natural freedom and equality Rousseau argued but a reformed society can restore the balance between the people and the Government .

रूसो ने तर्क दिया कि समाज मनुष्य की प्राकृतिक स्वतंत्रता और समानता को भ्रष्ट और विकृत करता है, लेकिन एक परिष्कृत समाज लोगों और सरकार के बीच संतुलन बहाल कर सकता है।

Rousseau described this ideal society in his ‘social contract’ (1762) which was banned in France. He laid the cornerstone of modern democracy in which the individual citizen enjoys liberty, equality and fraternity. He is also considered as ‘The Father of Romanticism’. He said, “The prompting of the heart are more to be trusted than the logic of the mind.”

रूसो ने इस आदर्श समाज का वर्णन अपने 'सामाजिक अनुबंध' (1762) में किया था, जिस पर फ्रांस में प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने आधुनिक लोकतंत्र की आधारशिला रखी जिसमें प्रत्येक नागरिक स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का आनंद लेता है। उन्हें 'रोमांटिकवाद का जनक' भी माना जाता है। उन्होंने कहा, "मन के तर्क की तुलना में हृदय की प्रेरणा पर अधिक भरोसा किया जाना चाहिए।"

Volataire :

Volataire was a prolific writer who used satire and criticism to incite social and political changes.

He attacked on Catholic church and exposed injustice. He promoted the concept of freedom of religion, freedom of expression and the separation of the church and the State.

वोलाटेयर:

वोलाटेयर एक लेखक थे जिन्होंने व्यंग्य और आलोचना का प्रयोग सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने के लिए किया।

उन्होंने कैथोलिक चर्च पर प्रहार किया और अन्याय का पर्दाफ़ाश किया।

उन्होंने धर्म की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और चर्च तथा राज्य के पृथक्करण की अवधारणा को बढ़ावा दिया।

Diderot :

Diderot was not interested in revolution but wanted to collect and disseminate enlightenment knowledge.
He embarked on a Mammoth project to create the “Encyclopaedia, or a systematic sdisctionary of the Science, Art and Crafts”.

दिदरो:

दिदरो क्रांति में रुचि नहीं रखते थे, बल्कि ज्ञानोदय संबंधी ज्ञान एकत्रित करना और उसका प्रसार करना चाहते थे।

उन्होंने "विश्वकोश, या विज्ञान, कला और शिल्प का एक व्यवस्थित शब्दकोश" बनाने की एक विशाल परियोजना शुरू की।

Immanuel Kant :

Immanuel Kant was a German philosopher. He is known for his work **“Critique of Pure Reason”.** He held that God was impersonal force and supported the cause of a natural religion.

इमैनुएल कांट:

इमैनुएल कांट एक जर्मन दार्शनिक थे। वे अपनी कृति "क्रिटिक ऑफ़ प्योर रीज़न" के लिए जाने जाते हैं। उनका मानना था कि ईश्वर एक निराकार शक्ति है और वे प्राकृतिक धर्म के समर्थक थे।

Adam Smith :

Adam Smith was a Scottish economist and philosopher who was a pioneer of **Political Economy** and key figure during the Scottish Enlightenment. He is called the “Father of Economics” for his work “Wealth of Nations” which he published in 1776.

एडम स्मिथ:

एडम स्मिथ एक स्कॉटिश अर्थशास्त्री और दार्शनिक थे, जो राजनीतिक अर्थव्यवस्था के अग्रदूत और स्कॉटिश ज्ञानोदय के दौरान एक प्रमुख व्यक्ति थे। 1776 में प्रकाशित उनकी कृति "वेल्थ ऑफ नेशंस" के लिए उन्हें "अर्थशास्त्र का जनक" कहा जाता है।

He put the theory of **'Free Trade and Laisseze Faire'**. He also described the **"Invisibile Hands of the Market"**. Thus, he outlines the key aspects of trade and makes a strong case for limiting the intervention of Government in trade.

उन्होंने 'मुक्त व्यापार और अहस्तक्षेप नीति' का सिद्धांत प्रस्तुत किया।उसने "बाज़ार के अदृश्य हाथों" का भी वर्णन किया। इस प्रकार,उसने व्यापार के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया और व्यापार में सरकार के हस्तक्षेप को सीमित करने का एक मज़बूत तर्क दिया।

Key Enlightment Concepts(प्रबोधन)

1. Empiricism (अनुभववाद) :

Enlightenment scholars argued that all **human knowledge** comes through the **senses and sensory experiences.**

प्रबोधन विद्वानों ने तर्क दिया कि समस्त मानव ज्ञान इंद्रियों और संवेदी अनुभवों के माध्यम से आता है।

2. Progress (प्रगति) :

Enlightenment scholars believed that present is better and more advanced than the past and is resulted in the happiness of man.

प्रबोधन विद्वानों का मानना था कि वर्तमान अतीत से बेहतर और उन्नत है और इसका परिणाम मनुष्य की खुशी है।

3. Skepticism (संदेहवाद) :

The Enlightenment scholars questioned blind faith of authority, priests etc. and focused on true knowledge based on scientific norms.

प्रबोधन के विद्वानों ने अधिकारियों, पुजारियों आदि की अंध आस्था पर सवाल उठाया और वैज्ञानिक मानदंडों पर आधारित सच्चे ज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया

4. Tolerance (सहनशीलता) :

The scholars believed that people should be free to worship as they wish.

विद्वानों का मानना था कि लोगों को अपनी इच्छानुसार पूजा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए।

5. Liberty (स्वतंत्रता) :

They emphasized that Government had no authority over an individual's conscience. They strongly believed that human beings were in a position to create a world in which , liberty and happiness will prevail over all else.

उसने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार का किसी व्यक्ति की अंतरात्मा पर कोई अधिकार नहीं है। उनका दृढ़ विश्वास था कि मनुष्य एक ऐसी दुनिया बनाने में सक्षम है जहाँ स्वतंत्रता और खुशी बाकी सब पर हावी होगी।

6. Reason (कारण) :

It embodied a non-authoritarian source of knowledge that can be tested and proved.

Men had to be taught to use reason and to act in accordance with its potentialities.

इसमें ज्ञान का एक गैर-सत्तावादी स्रोत समाहित था जिसे परखा और सिद्ध किया जा सकता था।लोगों को तर्क का प्रयोग करना और उसकी क्षमताओं के अनुसार कार्य करना सिखाया जाना था।